>

Title: Need to relax the condition imposed on the recommendations made by the MPs for granting assistance from the Prime Minister's Relief Fund for serious illness.

श्री तूफ़ानी सरोज (मछलीशहर): महोदया, मैं आपके माध्यम से बहुत ही महत्वपूर्ण और सभी सांसदों से संबंधित मामले को उठा रहा हूं। हृदय रोग, कैंसर रोग, किडनी रोग जैसे गंभीर रोगों से पीड़ित गरीब परिवार के रोगियों की समस्या की ओर आकृष्ट करते हुए मैं कहना चाहता हूं कि संसद सदस्यों की सिफारिश पर इस तरह के गंभीर रोगों से पीड़ित रोगियों के इलाज के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से अब महीने में मात्र दो रोगियों के लिए ही आर्थिक सहायता स्वीकृत की जा रही है। पहले इस तरह की कोई पाबंदी नहीं थी। एनडीए सरकार में जितनी डिमांड की जाती थी, उतने रोगियों के लिए सहायता दे दी जाती थी। सरकार की इस नीति से लोकसभा के सदस्यों के सामने एक गंभीर समस्या पैदा हो गयी है। एक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत कम से कम पांच से सात विधानसभाएं होती हैं। इतने बड़े क्षेत्र के अंतर्गत जो भी रोगी आता है, वह इस आशा के साथ आता है कि मैं अपने सांसद के पास जा रहा हूं, मुझे कुछ न कुछ सहयोग जरूर मिलेगा। रोग के मामले में कोई यह नहीं देखता है कि इस वोटर ने हमें वोट दिया है या नहीं, यह किस पार्टी से जुड़ा हुआ है, किससे संबंधित है? रोग के इलाज में सांसद सोचता है कि वह अपने क्षेत्र के सारे लोगों के लिए सुविधा प्रदान कर सके। इतने लंबे क्षेत्र में इस समय मात्र दो रोगियों के लिए ही प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से सहायता दी जा रही है। यह बहुत ही कम है और इसे बढ़ाया जाए या व्यवस्था को समाप्त किया जाए और जितने भी लोगों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से डिमांड की जाए, उन सारे लोगों को यह सुविधा मुहैया करायी जाए। यह हमारी आपके माध्यम से सरकार से मांग है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : धन्यवाद।

श्री राधा मोहन सिंह

â€¦(व्यवधान)

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): महोदया, इसे बढ़ाया जाए।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, यह बहुत ही गंभीर मामला है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपने को इससे संबद्ध करना चाहते हैं तो अपना नोटिस टेबल पर भेज दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपने को इससे एसोसिएट करना चाहते हैं तो अपना नाम टेबल पर भेज दीजिए कि आप इससे अपने को संबद्ध कर रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): महोदया, दो को भी नहीं दिया जा रहा है। मेरा जो पहला पत्र गया, उसमें यह लिखकर आया कि वित्तीय प्रावधान देखने के बाद तय किया जाएगा। दो को भी नहीं दिया जा रहा है। जो आप कह रहे हैं, वे दो भी निश्चित नहीं हैं। मैंने तो अपना पहला पत्र भेजा और मुझे जो उसका जवाब आया वह यह आया है कि वित्तीय राशि उपलब्ध होने के अनुसार किया जाएगा।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, यह प्रश्न उन्होंने उठा लिया है।

श्रीमती सुषमा स्वराज : हर सांसद को किया जाएगा, यह भी तय नहीं है। एक भी नहीं दिया गया।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

श्री राधा मोहन सिंह

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपने बोल लिया है। अब उनको भी सुन लीजिए। जब आप बोल रहे थे तो उन्होंने बाधा खड़ी नहीं की। श्री राधा मोहन सिंह जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री जयंत चौधरी,

डॉ. रामचन्द्र डोम,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री राकेश पाण्डेय,

श्री बृजभूषण शरण सिंह,

श्री शैलेन्द्र कुमार,

डॉ. अनूप कुमार साहा,

श्री पुलीन बिहारी बासके,

शेख सैदुल हक़,

श्रीमती सुस्मिता बाउरी,

श्री महेन्द्र कुमार राय,

श्री पी. लिंगम

अपने को श्री तूफ़ानी सरोज जी के भाषण से संबद्ध करते हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): मंत्री जी कुछ तो जवाब दीजिए। सरकार की तरफ से जवाब आना चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ज़ीरो आवर में हर समय जवाब नहीं दिया जाता। आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।